पढ़े चलो, बढ़े चलो
Samagra Shiksha Abhiyan (Secondary Education)

प्रश्न बैंक

2021–22

विषय: व्यावसायिक अध्ययन

कक्षा : 11वीं

समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्डरी एजुकेशन) लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र.

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र. भोपाल

आमुख

प्रदेश में संचालित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में छात्र/छात्राओं का परीक्षा परिणाम व्यवसाय अध्ययन विषय में आशा अनरुप नहीं रहता है। शालाओं के समय–समय पर विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान यह देखा गया है कि छात्र–छात्राओं का व्यवसाय अध्ययन विषय में ज्ञान का स्तर संतोषजनक नहीं है।

आगामी परीक्षा की तैयारी एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम हेतु यह **प्रश्न बैंक** तैयार किया गया है। जिसके उपयोग से शिक्षक अपने समस्त छात्रों को बेहतर अंक प्राप्त करने एवं अगली कक्षा में जाने हेतु समर्थ बना सकेंगे।

इस मटेरियल को ब्लूप्रिन्ट के अनुसार उन महत्वपूर्ण पाठ्य वस्तुओं का समावेश कर तैयार किया गया है जो कि प्रभावी शिक्षण एवं छात्र–छात्राओं के व्यवसाय अध्ययन विषय में औसत दक्षता विकसित करने एवं परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु लाभकारी सिद्ध होगा।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों का चिन्हांकन आपके द्वारा कर लिया गया होगा। यदि आपके स्कूल में एक से अधिक सेक्शन है तो विद्यार्थियों के ग्रेड के आधार पर सेक्शन में विद्यार्थियों का पुनर्वितरण कर दें। तथा एक ग्रेड के विद्यार्थियों को एक सेक्शन में रखें ताकि उन विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुरूप पढाया जाये।

प्रदेश के समस्त हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों से अपेक्षा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि वे इस माड्यूल से शाला के छात्र–छात्राओं कोव्यवसाय अध्ययन विषय का नियमित निदानात्मक कक्षाओं में अभ्यास करायेंगे ताकि प्रत्येक विद्यार्थी परीक्षा में सफल हो सके।

शिक्षकों से अपेक्षित कार्यवाही –डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थयों को आगामी 2 माह तक इस प्रश्न बैंक अनुसार अभ्यास कराएं। विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न को किस तरह लिखना है इसे समझाएं । विद्यार्थियों द्वारा की जा रही गलतियों को सुधारें।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2021–22
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– 11वीं पूर्णांक :– 80
विषय :– व्यवसाय अध्ययन(Business Studies) समय :– 3:00 घंटे

क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	
भाग–1 व्यवसाय के आधार							
1	व्यवसाय,व्यापार और वाणिज्य	10	05	01	01	–	02
2	व्यावसायिक संगठन के स्वरूप	10	04	01	–	01	02
3	निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रम	06	01	01	01	–	02
4	व्यावसायिक सेवाएं	06	04	01	–	–	01
5	व्यवसाय की उभरती पद्धतियां	05	03	01	–	–	01
6	व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता	05	03	01	–	–	01
भाग–2 व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार							
7	कंपनी निर्माण	08	02	01	–	01	02
8	व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत	10	04	01	–	01	02
9	लघु व्यवसाय एवं उद्यमिता	06	03	–	01	–	01
10	आंतरिक व्यापार	08	03	01	01	–	02
11	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	06	–	01	–	01	02
	कुल योग	80	32	20	12	16	18+5=23

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश –

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। सही विकल्प 06 अंक, रिक्त स्थान 07 अंक, सही जोड़ी 06 अंक, एक वाक्य में उत्तर 07 अंक, सत्य असत्य 06 अंक, संबंधी प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का प्रावधान होगा। यह विकल्प समान ईकाई/उप ईकाई से तथा समान कठिनाई स्तर वाले होंगे। इन प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार होगी –

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	02 अंक	लगभग 30 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	03 अंक	लगभग 75 शब्द
विश्लेषणात्मक	04 अंक	लगभग 120 शब्द

2. 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40 प्रतिशत पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत विश्लेषणात्मक प्रश्न होगें।
3. सत्र 2021–22 हेतु कम किये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पत्र में प्रश्न न दिये जाये।
4. पाठ्यवस्तु पर आधारित प्रायोजना कार्य हेतु 20 अंक आवंटित है।

कक्षाः– 11वीं

विषयः– वाणिज्य / व्यवसाय अध्ययन

कम किए गए पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

क्र.	पुस्तक / विषय वस्तु का नाम	अध्याय	कम किये गये अध्याय / विषय वस्तु का नाम
1	व्यवसाय, व्यापार एवं वाणिज्य	अध्याय– 1	कोई परिवर्तन नही
2	व्यवसायिक संगठन के स्वरूप	अध्याय– 2	व्यवसायिक संगठन के स्वरूप का चयन (2.7)
3	निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रम	अध्याय– 3	भूमण्डलीय उपक्रम (3.5) संयुक्त उपक्रम (3.6) संयुक्त उपक्रमों के प्रकार (3.6.1) संयुक्त उपक्रमों के लाभ (3.6.2) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) (3.7)
4	व्यावसायिक सेवाएं	अध्याय– 4	सम्प्रेषण सेवाएं (4.6)
5	व्यवसाय की उभरती पद्धतियां	अध्याय– 5	बाह्य स्त्रोतिकरण का कार्यक्षेत्र (5.8.1) बाह्य स्त्रोतिकरण की आवश्यकता (5.8.2)
6	व्यावसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता	अध्याय– 6	प्रदूषण के कारण (6.6.1) प्रदूषण नियंत्रण की आवश्यकता (6.6.2)
7	कम्पनी निर्माण	अध्याय– 7	पूंजी अभिदान (7.2.3)
8	व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत	अध्याय– 8	अन्तराष्ट्रीय वित्तीयन (8.5)
9	लघु व्यवसाय एवं उद्यमिता	अध्याय– 9	कोई परिवर्तन नही
10	आंतरिक व्यापार	अध्याय– 10	फुटकर व्यापार के प्रकार (10.6) भ्रमणशील फुटकर विक्रेता (10.61)
11	अंतराष्ट्रीय व्यापार	अध्याय– 11	निर्यात प्रक्रिया निर्यात लेन – देन में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख प्रलेख (11.3.1) आयात प्रक्रिया, आयात लेन देन में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख प्रलेख (11.3.2)

इकाई – 1
व्यवसाय – व्यापार एवं वाणिज्य

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
5	1	1	-	10

वस्तुनिष्ठप्रश्न

प्रश्न – 1 विकल्प चुनकर लिखिये –

1. मसाला मार्ग का संबंध था –
   (अ) वायु मार्ग से (ब) सड़क मार्ग से
   (स) समुद्री मार्ग से (द) इसमें से किसी से नहीं
2. पाटलिपुत्र वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है –
   (अ) दरभंगा, (ब) कोलकाता,
   (स)पटना, (द)पटियाला
3. जोखिम वहन करने के पुरूस्कार को कहा जाता है –
   (अ) ब्याज (ब) पूँजी
   (स) लाभ (द) मजदूरी
4. पुल का निर्माण करना है –
   (अ) जननिक उद्योग (ब) निष्कर्षण उद्योग
   (स) निर्माणी उद्योग (द) रचनात्मक
5. विदेशी – व्यापार के प्रकार हैं –
   (अ) आयात (ब) निर्यात
   (स) पुनर्निर्यात (द) सभी

प्रश्न – 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

(i) महाजन व साहूकार.....स्वीकार नहीं करते थे।
(ii) पेशे में.....ज्ञान की आवश्यक्ता होती हैं।
(iii) कपास से कपड़ा बनाना.....उद्योग है।
(iv) मछली पकड़ना.....उद्योग के अन्तर्गत आता है।
(v) वाणिज्य, उद्योग तथा.....व्यवसाय के अंश है।

प्रश्न – 3 सत्य/असत्य बताइये–

(i) भण्डारण क्रिया व्यापार सहायक क्रियाओं का भाग है।
(ii) व्यापार वाणिज्य का अभिन्न अंश है।
(iii) रोजगार में पूँजी की आवश्यक्ता है।
(iv) आर्थिक क्रियाओं का संबंध मुद्रा से नहीं होता हैं।

प्रश्न – 4 जोड़ी बनाइये–

(i) तक्षशिला (अ) सुलेमानी पत्थर
(ii) उज्जैन (ब) लाभार्जन करना

(iii) व्यवसाय का आर्थिक उदेश्य (स) विशुद्ध जोखिम

(iv)बीमा योग्य जोखिम (द) व्यापार सहायक क्रियाऐं

(v)विज्ञापन (ई) गांधार देश

प्रश्न – 5 एक शब्द/वाक्य में उत्तर लिखिए–

(i) एक ही राज्य के भीतर किये जाने वाले व्यापार को क्या कहते है ?

(ii) प्राचीन भारत का सर्वाधिक विकसित उद्योग कौन सा था ?

(iii) बैकिंग व बीमा सेवाऐं किस प्रकार की क्रियाओं का अंग है ?

(iv)व्यापार में सहायक क्रियाऐं किसका भाग है ?

(v)एक ही राज्य के भीतर किये जाने वाले व्यापार को क्या कहते है ?

प्रश्न – 6 **अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)**

(1) उद्योग का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

(2) संयोजन उद्योग को समझाइये।

(3) स्वदेशी बैकिंग प्रणाली से क्या आशय है?

(4) रेशम मार्ग कहाँ से कहाँ तक जाता है?

(5) उद्योगों को कितने प्रकार में बांटा जाता है ? नाम बताइये।

प्रश्न – 7 **लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)–**

(1) मर्चेन्ट कापॉरेशन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

(2) व्यवसाय की तीन विशेषताऐं बताइये।

(3) रोजगार की विशेषताऐं बताइये।

(4) विदेशी व्यापार के प्रकार बताइये।

(5) द्वितीयक उद्योगों के प्रकार लिखिये।

(6) व्यवसाय की विशेषताएँ लिखिए।

(7) आर्थिक क्रिया एवं अनार्थिक क्रिया में अंतर लिखिए।

(8) व्यवसाय, पेशा व रोजगार में अंतर लिखिए।

(9) व्यवसायिक जोखिम के कारण लिखिए।

(9) व्यवसाय के सामाजिक उद्देश्य लिखिए।

(10) व्यवसाय में लाभ की भूमिका लिखिए।

(11) व्यवसाय जोखिम की प्रकृति समझाइए।

(12) व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्य समझाइए।

ईकाई – 2
व्यवसायिक संगठन के स्वरूप

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	1	-	1	10

वस्तुनिष्ठप्रश्न

प्रश्न – 1 सही विकल्प चुनिए–

(i) साझेदारों का दायित्व होता है –

(अ) आधा (ब) पूरा

(स) सीमित (द) असीमित

(ii) साझेदारी संलेख के आभाव में साझेदार द्वारा दिये गये ऋण पर ब्याज की दर होगी –

(अ) 5 % (ब)6%

(स) 8% (द)साझेदारों की इच्छानुसार

(iii) पार्षद अन्तर्नियम के आभाव में प्रस्तुत करना आवश्यक है –

(अ) सारणी 'फ' (ब) पार्षद सीमानियम

(स) प्रविवरण (द) स्थानापन प्रविवरण

(iv) निजी कंपनी में नयूनतम् सदस्य संख्या होती है –

(अ) 2 (ब) 7

(स) 10 (द) 20

(iv) कंपनी की पूँजी विभक्त होती है –

(अ) लाभांश में (ब) लाभ में

(स) ब्याज में (द) अंशों में

प्रश्न – 2 सत्य/असत्य बताइये –

(i) साझेदारी व्यवसाय का पंजीकरण कराना ऐच्छिक होता है।

(ii) संयुक्त हिन्दू परिवार की सदस्यता जन्म से प्राप्त होती है।

(iii)निजी कंपनी के अंश हस्तान्तरणीय होते हैं।

(iv)पार्षद अंतर्नियत बनाना अनिवार्य है।

(v)पार्षद अंतर्नियम को कम्पनी का चार्टर भी काहा जाता है।

प्रश्न – 3 एक शब्द/वाक्य में उत्तर लिखिये–

(i) सहकारी समीति को किस अधिनियम में पंजीकृत होना चाहिए।

(ii) सरकारी कंपनी में केन्द्र/राज्य सरकार के कितने प्रतिशत अंश होने चाहिए ?

(iii) साझेदारों के मध्य लिखित अनुबंध का नाम बताइये

(iv)कंपनी का निर्माण करने वाले व्यक्ति क्या कहलाते है ?

(v)पार्षद सीमा नियम में कितने वाक्य होते हैं ?

प्रश्न – 4 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(i) साझेदारी का निर्माण.....से होता है।

(ii) बैकिंग साझेदारी व्यवसाय में अधिकतम संख्या.....हो सकती है।

(iii)कंपनी का निर्माण.....के अंतर्गत किया जाता है।

(iv) .....कंपनी के अस्तित्व का प्रतीक है।

(v)कंपनी एक.....व्यक्ति है।

प्रश्न – 5 सही जोड़ी बनाइये–

कॉलम 'अ'	कॉलम 'ब'
1 एक व्यक्ति एक मत	(अ) व्यवसाय संचालन नियम
2 पंजीयन ऐच्छिक	(ब) समामेलन
3 साझेदारी संलेख	(स) पार्षद सीमा नियम
4 कंपनी का जन्म	(द) साझेदारी फर्म
5 उद्देश्य वाक्य	(ई) सहकारी समीतियाँ

प्रश्न – 6 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)

1. **एकाकी व्यापार से क्या आशय है?**

2. साझेदारी व्यापार से क्या आशय है?
3. साझेदार किसे कहते हैं?
4. कम्पनी से क्या आशय है?
5. कर्ता किसे कहते हैं?
6. साझेदारी संलेख से क्या आशय है?
7. सार्वमुद्रा किसे कहते हैं?
8. प्रदर्शन द्वारा साझेदार से क्या आशय है?
9. सहकारी समिति से क्या आशय है?
10. निजी कम्पनी से क्या आशय है?
11. सार्वजनिक कम्पनी से क्या आशय है?

प्रश्न – 7 विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 120 शब्द)–

1. एकांकी व्यापार की विशेषताएँ लिखिए।
2. निजी कम्पनी एवं सार्वजनिक कम्पनी में अंतर लिखिए।
3. साझेदारी संलेख की मुख्य बातें लिखिए।
4. संयुक्त हिन्दु परिवार व्यवसाय की विशेषताएँ लिखिए।
5. सहकारी समिति के लाभ लिखिए।
6. एकांकी व्यापार की सीमाएँ लिखिए।
7. साझेदारी व्यापार एवं कम्पनी में अंतर लिखिए।
8. साझेदारी व्यापार के लाभ लिखिए।
9. कम्पनी के लाभ लिखिए।
10. संयुक्त हिन्दु परिवार व्यवसाय के दोष लिखिए।
11. साझेदारी व्यापार एवं कम्पनी में अंतर लिखिए।

इकाई – 3
निजी सार्वजनिक उपक्रम एवं भूमण्डलीय उपक्रम

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 6 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
1	1	1	-	6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

(i) .....क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण नहीं होता है।

(ii) सहकारी समीति.....क्षेत्र की संस्थान है।

(iii) खनिज तेल का उत्पादन.....क्षेत्र के संस्थानों द्वारा किया जाता है।

(iv) सार्वजनिक उपक्रम का स्वामित्व एवं प्रबंध.....के हाथ में होता है।

(v) .....के कर्मचारी लोक सेवक होते है।

प्रश्न – 2 सत्य/असत्य लिखिये–

(i) सरकारी कंपनी में प्रबंध उच्च कोरी का होता है।

(ii) सरकारी कंपनी में 50 % से कम पूँजी में भागीदारी निजी क्षेत्र की होती है।

(iii) टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी सरकारी कंपनी है।

(iv) सरकारी कंपनी का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना है।

(v) निजी क्षेत्र में कार्यकुशलता में कमी पायी जाती है।

प्रश्न – 3 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. **निजी क्षेत्र से क्या आशय है?**
2. **सार्वजनिक क्षेत्र से क्या आशय है?**
3. **सरकारी उपक्रम किसे कहते हैं?**
4. **वैधानिक निगम किसे कहते हैं?**
5. **सरकारी कम्पनी से क्या आशय है?**

प्रश्न – 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)–

1. निजी क्षेत्र की विशेषताएँ लिखिए।
2. सार्वजनिक उपक्रमों के उद्देश्य लिखिए।
3. निजी उपक्रम एवं सरकारी उपक्रम में अंतर लिखिए।
4. विभागीय उपक्रम की विशेषताएँ लिखिए।
5. सरकारी उपक्रम को सफल बनाने हेतु सुझाव दीजिए।
6. सार्वजनिक उपक्रम की विशेषताएँ लिखिए।
7. वैधानिक निगम की विशेषताएँ लिखिए।
8. विभागीय उपक्रम के लाभ लिखिए।
9. सरकारी कम्पनी की विशेषताएँ लिखिए।

इकाई – 4
व्यवसायिक सेवाऐं

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 6 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	1	-	-	6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 सही जोड़ी बनाइये :–

(i) बैंको का बैंक किसे कहते है ?

(अ) कृषि बैंक (ब) भारतीय स्टेट बैंक

(स) केन्द्रीय बैंक (द) देशी बैंक

(ii) बैंक किस खाते पर ब्याज नहीं देती है–

(अ) बचत खाता (ब) स्थिर जमा खाता

(स) बचत खाता (द) आवर्ती जमा खाता

(iii) अधिविकर्ष सुविधा किस प्रकार के खाते में प्राप्त होती है ?

(अ) बचत खाता (ब) स्थिर जमा खाता

(स)आवर्ती खाता (द)चालू खाता

(iv) क्षतिपूर्ति सिद्धान्त पर आधारित नहीं है –

(अ) जीवन बीमा (ब) सामुहिक बीमा

(स) सामान्य बीमा (द) स्वास्थय बीमा

(V) ए.टी.एम. का पूरा नाम क्या है ?

(अ) आटोमेटेड टेलर मशीन (ब) ऑल टाइम मनी

(स) अकाउटिंग टाइम मनी (द) अकाउण्ट टेली मशीन

प्रश्न – 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –

(i) वस्तुओं को सुरक्षित रखने हेतु.....का प्रयोग किया जाता है।

(ii) भारतीय खाद्य निगम.....भण्डार गृह है

(iii) एक दूसरे से जुड़े कम्प्यूटर के जाल को कहा जाता है.....

(iv)वेब सर्वर का प्रयोग.....प्रणाली में होता है।

प्रश्न – 3 एक शब्द/वाक्य में उत्तर लिखिये

(i) विदेशी मुद्रा का लेन – देन करने वाली बैंक का नाम है।

(ii) बैंक में जमा राशि से अधिक धन निकालने की सुविधा कहलाती है।

(iii) क्षतिपूर्ति अनुबंध किस बीमा में लागू नहीं होता है।

(iv) बीमा का कौन सा सिद्धान्त बीमा कंपनी को बीमित वस्तु पर अधिकार दिलाता है।

(V) बंधक भण्डार गृह कहॉ पर स्थित होते है।

प्रश्न – 3 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. अधिविकर्ष क्या है ?
2. नकद साख क्या है ?
3. डेविट कार्ड किसे कहते हैं ?
4. भण्डारण से क्या आशय है ?
5. भण्डार गृह के प्रकार बताइये।
6. व्यापारिक बैंक किसे कहते हैं ?
7. बीमा की परिभाषा लिखिए।
8. ई बैंकिंग क्या है ?
9. शीत भण्डार गृह से क्या आशय है ?
10. सेवाएँ किन्हें कहते हैं ?

इकाई – 5
व्यवसाय की उभरती पद्धतियॉ

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 5 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	1	-	-	5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 सही विकल्प चुनकर लिखिये –

(i) ई – कामर्स की उपयोगिता है –

(अ) लागत में कमी (ब) भुगतान में सुविधा

(स) सुरक्षित लेन – देन (द) ये सभी

(ii) इन्टरनेट का जन्मदाता है –

(अ)विलियम हाकिन्स (ब)पीटर एफ ड्रफर

(स)विन्टन जी सर्फ (द)डब्ल्यू डब्ल्यू वेब

(iii) ई – कामर्स का प्रादुर्भाव हुआ –

(अ) 1960 (ब) 1970

(स) 1980 (द) 1990

प्र.2 –रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ऑन लाईन व्यवसाय में जब दोनों पक्ष ..... हो तो वह E2E है।
2. ई कामर्स में कागजी कार्य ..... रहता है।
3. B2B व्यापार, व्यवसाय का ..... से व्यापार है।
4. ई कॉमर्स ..... का अंग है।

प्रश्न – 2 सत्य/असत्य लिखिये –

1. ई – कॉमर्स व्यापार में इण्टरनेट का प्रयोग किया जाता है।
2. इ – कॉमर्स का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय होता है।
3. C_2C व्यवहार में दोनों पक्ष ग्राहक होते है।

प्रश्न – 3 एक शब्द/वाक्य में उत्तर लिखिये –

(i) फायरवाल का प्रयोग किस लिए किया जाता है।

(ii) इंटरनेट पर आंकड़ो व वेबसाइड को किससे सबसे ज्यादा खतरा है।

(iii) भारत में सूचना तकनीकी अधिनियम कब बनाया गया है ?

(iv) एक फर्म के गैर मूल कार्यों को बाहर के व्यक्तियों को सौंपना क्या कहलाता है?

प्रश्न – 3 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. फर्म से ग्राहक (B_2C) कॉमर्स किसे कहते है।
2. ई – व्यवसाय के दो लाभ बताइये ।
3. ई – व्यवसाय के दो सीमाएं बताइये ।
4. ई – व्यवसाय के दो क्षेत्र बताइये ।
5. ई – व्यवसाय से आशय बताइये ।
6. ई–कामर्स से क्या आशय है?
7. ई – व्यवसाय के सफल बनाने हेतु आवश्यक साधनों के नाम लिखिए।
8. बाह्य स्रोतीकरण से क्या आशय है?

इकाई – 6
व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिक शास्त्र

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 5 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	1	-	-	5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 सही विकल्प चुनकर लिखिये –

i. व्यावसाय का सरकार के प्रति दायित्व है–
   (अ) ब्याज का भुगतान (ब) लाभांश देना
   (स) धन की सुरक्षा (द) करों का भुगतान

ii. सामाजिक उत्तरदायित्व प्रक्रिया हैं–
   (अ) एकाकी मार्ग (ब) द्विमार्गी
   (स) त्रिमार्गी (द) इनमें से कोई नहीं

iii. निम्नलिखित में से क्या व्यावसायिक नीतिशास्त्र का तत्व नहीं हैं–
   (अ) नैतिकता (ब) ईमानदारी
   (स) काला–बाजारी (द) समता

iv. नैतिकता महत्वपूर्ण है–
   (अ) उच्चस्तरीय प्रबंध के लिये (ब) मध्यस्तरीय प्रबंध के लिय
   (स) क्रर्मचारियों के लिये (द) सभी के लिये

v. व्यावसायिक नीतिशास्त्र का तत्व है–
   (अ) शीर्घ प्रबंधन के नैतिक निर्णय (ब) संहिता का प्रकाशंन
   (स) स्वीकृत मानकों की व्यवस्था (द) उपरोक्त सभी

प्रश्न क्र.2– रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिये–

1. समाज तथा व्यवसाय एक दूसरे के..... है।
2. समाज के प्रति व्यवसाय के कुछ ..... भी होते है।
3. व्यवसायिक नीतियाँ ..... मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए।
4. लाभांश का वितरण ..... प्रति व्यावसाय का उत्तरदायित्व हैं।
5. व्यवसायिक नीतिशास्त्र आदर्श ..... एवं कला हैं।

प्रश्न क्र.3 सही जोड़ी बनाइये–

कॉलम (क)	कॉलम (ख)
1. स्वीक्रत मानको की व्यवस्था	(अ) स्वयं के प्रति दायित्व
2. व्यवसायिक नीतिशास्त्र	(ब) व्यवसायिक नीतिशास्त्र
3. रोजगार सुरक्षा	(स)आचरण संहित
4. उचित लाभ प्राप्त करना	(द) कर्मचारियों के प्रति दायित्व
5. व्यवसाय का उपभोग्ताओं के प्रति उत्तरदायित्व	(ई)उचित किस्म एवं कीमत

प्रश्न क्र.4 सत्य/असत्य लिखिए

i. व्यवसायिक नीतिशास्त्र भावनाओं पर आधारित होना चाहिए।
ii. व्यवसायिक संहिता लिखित रूप में होनी चाहिए।
iii. नीतिशास्त्र एवं कानून में अन्तर नहीं है।
iv. नैतिक मूल्यों के पालन से साख में वृद्धि होती हैं।
v. नीतिशास्त्र की तुलना में कानून अधिक व्यापक हैं।

प्रश्न क्र.5 एक शब्द/वाक्य में उत्तर दीजिये–

i. व्यवसायिक ईमानदारी, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व कहते है।
ii. सरकार के प्रति व्यवसाय का कोई एक उत्तरायित्व बताइये।
iii. उपभोक्ता के प्रति व्यवसाय का कोई एक दायित्व बताइये।
iv. व्यवसायिक नीतिशास्त्र को किस अन्य नाम से जाना जाता है।
v. व्यवसायिक नीतिशास्त्र आदर्श विज्ञान है, अथवा कला ?

प्रश्न – 6 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

i. समाजिक उत्तरदायित्व के महत्व बताइये।
ii. कर्मचारियों के प्रति सामाजिक–सुरक्षा से क्या आशय है।
iii. व्यवसाय के उपभोक्ताओं के प्रति दो दायित्व बताइये।
iv. नीतिशास्त्र एवं कानून में क्या अन्तर है।
v. व्यवसायिक नीतिशास्त्र के दो तत्व बताइये।
vi. व्यावसायिक सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा समझाइए।

इकाई – 7
कम्पनी का निर्माण

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	1	8

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न क्र.1 सही जोड़ी बनाइये–

	क	ख
i.	कंपनी अधिनियम	सार्वजानिक कंपनी
ii.	प्रविवरण	पार्षद सीमा नियम
iii.	व्यापार प्रारंभ का प्रमाण पत्र	प्रवर्तक
iv.	कंपनी का जन्म	1956
v.	उद्देश्य वाक्य	कंपनी का समामेलन

प्रश्न क्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

i. पार्षद अंतर्नियम में किये गये परिवर्तन की सूचना ..... को देनी आवश्यक है।
ii. पार्षद सीमा नियम कंपनी का ..... भी कहा जाता है।
iii. सारणी 'अ' ..... के अभाव में लागू होती है।
iv. ..... कंपनी के वैद्यानिक अस्तित्व की प्रतीक है।
v. कंपनी का निमार्ण ..... के अंतर्गत किया जाता है।

प्रश्न क्र.3 सत्य/असत्य बताइये–

i. बैंकर भी नये उद्योगों का प्रवर्तन कर सकते है।
ii. एक सार्वजनिक कंपनी अपने अंशों की ब्रिकी निजी आधार पर भी कर सकती है।
iii. पर्षाद अंतर्नियम बनाना अनिवार्य होता है।

प्रश्न – 4 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. प्रवर्तक किसे कहते हैं ?
2. स्थानापन्न प्रविवरण क्या है ?
3. योग्यता अंश क्या होते हैं ?
4. समामेलन प्रमाण पत्र क्या है ?

5. 'सारणी अ' से क्या आशय है ?
6. पार्षद सीमा नियम से क्या आशय है ?
7. पार्षद अंतर्नियम से क्या आशय है ?

प्रश्न – 7 विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 120 शब्द)–

1. प्रवर्तक के प्रमुख कार्य लिखिए।
2. समामेलन प्रमाण पत्र का कम्पनी पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
3. पार्षद सीमा नियम एवं पार्षद अंतर्नियम में अंतर लिखिए।
4. स्थानापन्न प्रविवरण की प्रमुख बातें लिखिए।
5. कम्पनी समामेलन की प्रक्रिया समझाइये।
6. पार्षद सीमा नियम की प्रमुख बातें समझाइये।
7. प्रविवरण के प्रमुख बिन्दु समझाइये।
8. पार्षद अंतर्नियम की प्रमुख बातें समझाइये।

इकाई – 8
व्यावसायिक वित्त के स्रोत

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 10 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	1	-	1	10

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न क्र.1 सही विकल्प चुनकर लिखिये–

i. दीर्घकालीन पूँजी प्राप्त करने का स्त्रोत है–
   (अ) लाभांश (ब) ब्याज
   (स) अंश पूँजी (द) पुरानी संपत्ति का विक्रय

ii. ऋण आधारित कोष है –
   (अ) संचित आय (ब) ऋणपत्र
   (स) समता अंश (द) इनमे से कोई नहीं

iii. अंशधारी होते हैं कंपनी के –
   (अ) लेनदार (ब) संचालक
   (स) प्रबंधक (द) स्वामी

iv. यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
   (अ) दिल्ली (ब) कोलकाता
   (स) चेन्नई (द) मुम्बई

v. भारतीय जीवन बीमा निगम हैं–
   (अ) सार्वजनिक कंम्पनी (ब) सार्वजनिक निगम
   (स) सहकारी निगम (द) कोई नहीं

प्रश्न क्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

i. ऋणपत्रधारी कंपनी के ..... है।
ii. कृषि ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक की स्थापना ..... में की गई थी।
iii. अल्पकालीन वित्त को ..... पूंजी भी कहते है।
iv. अंशधारियों को विनियोजित पूंजी पर ..... देना चाहिये।

प्रश्न क्र.3 सत्य/असत्य लिखिये–

i. कार्यशील पूँजी अल्पकालीन पूँजी है।
ii. समता अंशों में जोखिम अधिक होता है।
iii. ऋणपत्रधारियों को निश्चित दर से लाभांश दिया जाता है।
(iv) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम लिमिटेड एक कंपनी रूप है।
(v) यू. टी. आई. बडे विनियोग कर्ताओं की बचतो को एकत्रित करता है।

प्रश्न – 4 सही जोड़ी बनाइए–

	''अ''	''ब''
1.	भारतीय औद्योगिक वित्त निगम	(अ)1956
2.	भारतीय यूनिट ट्रस्ट	(ब)1955
3.	भारतीय जीवन बीमा निगम	(स)1985
4.	भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियोग निगम	(द)1948
5.	भारतीय औद्योगिक पुनर्गठन बैंक	(द)1964

प्रश्न – 5 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. स्थाई सम्पत्ति किसे कहते हैं ?
2. समता अंश क्या है ?
3. ऋण पत्र की परिभाषा लिखिए।
4. अंश किसे कहते हैं ?
5. लीज वित्तीयन से क्या आशय है ?
6. संचित आय से क्या आशय है ?

प्रश्न – 7 विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 120 शब्द)–

1. व्यापार में व्यवसाय वित्त का महत्व लिखिए।
2. कार्यशील पूँजी को निर्धारित करने वाले घटक लिखिए।
3. अंशधारी एवं ऋणपत्र धारी में अंतर लिखिए।
4. स्थाई पूँजी को निर्धारित करने वाले घटक लिखिए।
5. ऋण पत्र के प्रकार समझाइये।
6. अंश व स्कंध में अंतर लिखिए।
7. पूर्वाधिकार अंश के प्रकार लिखिए।
8. समता अंश व पूर्वाधिकार अंश में अंतर लिखिए।

इकाई – 9

लघु व्यवसाय एवं उद्यमिता

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 6 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	-	1	-	6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 सही विकल्प चुनकर लिखिये –

1. उद्यमिता का तात्पर्य है –
   (अ) व्यवसाय की अनिश्चिताओं को वहन करना (ब) जोखिमों को वहन करना
   (स) व्यवसाय को चलाना (द) उपर्युक्त सभी
2. उद्यमिता की विशेषता है –
   (अ)जोखिम (ब) नवाचार
   (स) सृजनात्मक प्रक्रिया (द) निर्णय लेने की प्रक्रिया
3. उद्यमि उठाता है –
   (अ) सोची समझी जोखिम (ब) उच्च जोख्मि
   (स) निम्न जोख्मि (द) सामान्य जोख्मि
4. अखिल भारतीय हाथकरथा बोर्ड की स्थापना हुई –
   (अ) 1950 (ब) 1951
   (स) 1952 (द) 1954
5. प्रथम औद्योगिक बस्ती की स्थापना हुई –
   (अ) हरियाणा (ब) रास्थान
   (स) 1952 (द) 1954

प्रश्न – 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

(i) उद्यमी व्यवसाय का .....होता है।

(ii) उद्यमिता मे .....अर्थिक प्रतिफल है।

(iii)बोद्धिक संपदा का अधिकार .....संपत्तियों पर प्राप्त है।

(iv) राष्ट्रीय लघु उघोग निगम की स्थापना एक.....के रूप में हुई

(v) कुटीर उद्योग.....क्षेत्रो मे स्थापित होते है।

प्रश्न –3 एक शब्द/वाक्य में उत्तर लिखिये –

(i) उद्यमी व्यक्तियों का स्वभाव किस प्रकृति का होता है ?

(ii) उद्यम का एक उदाहरण लिखिये ?

(iii) स्टार्ट अप हेतु व्यवसाय की अवधि कितने वर्ष से अधिक नहीं हो सकती ?

(iv) लघु उद्योगो को ऋण प्रदान करने के लिए स्थापित बैंक है ?

(v) लघु व्यवसाय उपक्रम के लिए विनियोगी की अधिकतम सीमा क्या है ?

प्रश्न – 4 सत्य/असत्य लिखिये–

(i) स्टार्ट–अप आर्थिक विकास व रोजगार में वृद्धि करता है।

(ii) उद्यमी जन्मजात होते है बनाए नहीं जाते।

(iii) कुटीर उद्योग अंशकालीन रोजगार प्रदान करते है।

(iv) लघु उद्योगों को अपने माल के विपणन की समस्या नहीं होती है।

(v) लघु उद्योगों को औद्योगिक शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रश्न – 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)–

1. कुटीर उद्योगों की विशेषताएँ लिखिए।
2. लघु उद्योगों के सुधार हेतु उपाय लिखिए
3. ग्रामीण उद्योग पर टिप्पणी लिखिए।
4. उद्यमिता की विशेषताएँ लिखिए।
5. उद्यमिता की आवश्यकता लिखिए।
6. ग्रामीण भारत में लघु उद्योगों की भूमिका समझाइये।
7. भारत में लघु उद्योगों की क्या समस्याएँ हैं ?
8. स्टार्ट अप योजना से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य लिखिए।
9. लघु उद्योग एवं कुटीर उद्योग में अंतर लिखिए।
10. उद्यमियों हेतु प्राज्ञ सम्पत्ति अधिकार क्यों महत्वपूर्ण हैं ?

इकाई – 10
आंतरिक व्यापार

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	1	1	-	8

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न – 1 सही विकल्प चुनकर लिखिये–

1. उपभोक्ता सहकारी भण्डार में वस्तुओं का विक्रय होता है –
   (अ) केवल नकद (ब) केवल उधार
   (स)नकद एवं उधार दोनों (द) मुफ्त
2. आंतरिक व्यापार मे भुगतान किया जाता है –
   (अ) आयात कर (ब) निर्यात कर
   (स) बैट (द) उपरोक्त मे से कोई नहीं
3. थोक – व्यापारी अपने माल का विक्रय करता है –
   (अ) उपभोक्ता को (ब) फुटकर व्यापारी को
   (स) उप्पादक को (द) सरकार को
4. विभागीय भण्डार की विशेषता है –
   (अ) विभिन्न वस्तुऐ (ब) विभिन्न विभाग
   (स) केन्द्रीय स्थान (द) ये सभी
5. दुकाने जिनमें उत्पादक स्वयं माल का विक्रय करता है –
   (अ) बहु संख्यक दुकाने (ब) विभागीय दुकाने
   (स) फेरी वाले (द) स्टाल दुकाने

प्रश्न – 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

(i) सहकारी अपभोक्ता भण्डार का पंजीयन ..... है।

(ii) ..... दुकाने उत्पादक द्वारा खोली जाती हैं।

(iii)थोक व्यापारी, ...एवं फुटकर व्यापारी के मध्य की कड़ी है।

(iv) फुटकर व्यापारी अपना माल.....को बेचता है।

(v) विभागीय भण्डार एक ..... संस्था है।

प्रश्न – 3 सत्य/असत्य लिखिये–

(i) थोक व्यापारी द्वारा उपभोक्ताओं को वस्तुऐं बेची जाती है।

(ii) डेबिट नोट क्रेता द्वारा तैयार किया जाता है।

(iii) विशेषाधिकार वस्तु के उत्पादन व विक्रय का अधिकार पदान करता है।

प्रश्न – 4 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

(1) आंतरिक व्यापार से क्या आशय है।

(2) आंतरिक व्यापार की 2 विशेषताएँ बताइये।

(3) डाक द्वारा व्यापार के 2 लाभ बताइये।
(4) जी–एस टी किन करो के बदले वर्तमान में लगाया जा रहा है।
(5) फुटकर व्यापारी किसे कहते हैं?
(6) थोक व्यापारी किसे कहते हैं?
(7) उत्पादक किसे कहते हैं?

प्रश्न – 5 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)–

1. थोक व्यापारी के कार्य लिखिए।
2. फुटकर व्यापारी उपभोक्ता की सहायता किस प्रकार करता है ?
3. विभागीय भण्डार एवं बहु विक्रय शाला में अंतर लिखिए।
4. उपभोक्ता सहकारी भण्डार के लाभ लिखिए।
5. थोक व्यापारी एवं फुटकर व्यापारी में अंतर लिखिए।
6. आंतरिक व्यापार के लाभ लिखिए।

इकाई – 11

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मा.शि.मंडलमध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 6 अंक के प्रश्न पूछेजायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है -

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
-	1	-	1	6

प्रश्न – 1 अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)–

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसे कहते हैं ?
2. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष क्या है ?
3. संयुक्त उपक्रम किसे कहते हैं ?
4. सहायक कम्पनी किसे कहते हैं ?
5. विश्व बैंक से क्या आशय है ?
6. फ्रेंचाइजी किसे कहते हैं ?
7. संविदा विनिर्माण से क्या आशय है ?

प्रश्न – 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। शब्द सीमा लगभग 120 शब्द –

1. विश्व बैंक के कार्यो का वर्णन कीजिये।
2. अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्य बताइये।
3. विश्व व्यापार संगठन के उद्देश्य बताइये।
4. अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लाभ बताइये।
5. विश्व – व्यापार संगठन की सीमाऐं बताइये।
6. देशी व्यापार व विदेशी व्यापार में अंतर लिखिए।
7. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ लिखिए।
8. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के दोष लिखिए।